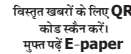




हलद्वाणी, शुक्रवार 7 नवम्बर 2025 हलद्वाणी संस्करण: वर्ष 23 अंक 72 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00



विस्तृत खबरों के लिए QR
कोड स्कैन करें।
मुफ्त पढ़ें E-paper

नई दिल्ली, मजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मराठावाड, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित



शाह टाइम्स ब्यूरो

जानकारी में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

**आपके दावा न किए गए
पैसे के बारे में जानने के लिए**

आपके बैंक की वेबसाइट पर खोजें या आरबीआई के
UDGAM पोर्टल (<https://udgam.rbi.org.in>) पर
देखें, जिसमें फ़िलहाल 30 बैंक शामिल हैं।



आधिक जानकारी के लिए
<https://rbikethahal.rbi.org.in> देखिए।
संविधान के लिए rbikethahal@rbi.org.in पर लिखिए।

संयुक्त
सर्वोच्च न्यायालय



आधिकारिक वॉट्सएप नंबर
99990 41935

एस.एन. राना
 *कार्यकारी सम्पादक
 आनन्द बत्रा 'सुमन'
 ☎05946-250286
 मुख्यालय:
 मोबाइल-9720007290
 R.N.No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
emailshahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के
 चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एकट के
 अंगण में उत्तरदायी। समस्त विवाद
 मुंबईकरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

पेंशनरों के लिए हुआ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता
पिथौरागढ़। प्रभारी मुख्य कोषाधिकारी पिथौरागढ़ दीपक जोशी ने बताया है कि कोषागार पिथौरागढ़ से सम्बन्धित समस्त पेंशनरों को उत्तराखण्ड राज्य स्थापना की रजत जयंती वर्ष 2025 के उपलक्ष में पेंशनरों के जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन आज छह नवंबर को विकास भवन सभागार पिथौरागढ़ में किया गया। जिसमें पेंशनरों के डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र, आयकर, गोलडन कार्ड योजना, साइबर सुरक्षा एवं धोखाधड़ी तथा पेंशन सम्बन्धित प्रकरणों पर जानकारी प्रदान की गयी। जिसमें प्रभारी मुख्य कोषाधिकारी पिथौरागढ़ दीपक जोशी की उपस्थिति में लीड बैंक पिथौरागढ़ से बीएस सीपाल एवं साइबर क्राईम शाखा पुलिस कार्यालय पिथौरागढ़ से विपिन ओली एवं अनिल कुमार, सीए ऑफिस से कमल जोशी, सीएमओ से उपदेश कुमार, कोषागार पिथौरागढ़ से सु. आशिष, कु. प्रियंका धामी, कु. जया ऐरी, मुकेश कुमार ने पेंशनरों को जानकारी दी। इस अवसर पर सहायक कोषाधिकारी मनोज पुनेठा, सहायक कोषाधिकारी हरीश सामन्त, पेंशनर यूनिन के अध्यक्ष पीवी जोशी एवं पदाधिकारीगण तथा कोषागार पिथौरागढ़ से विपिन चन्द्र पुनेठा, नवीन सिंह खड़ावत, जितेन्द्र जोशी, दीपक जोशी, अमित रावत, मुदित जोशी आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सीएम धामी के न आने से राज्य आंदोलनकारियों में भारी आक्रोश

शाह टाइम्स संवाददाता
रामनगर। राज्य की स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित सम्मेलन में मुख्यमंत्री को आमंत्रित करने के बावजूद मुख्यमंत्री के सम्मेलन में ना आने से राज्य आंदोलनकारियों में भारी आक्रोश रहा। राज्य आंदोलनकारियों ने कहा कि सम्मेलन में मुख्यमंत्री को आमंत्रित करने के लिए आयुक्त कुमाऊं मंडल, जिलाधिकारी, एसडीएम और मुख्यमंत्री कार्यालय से संपर्क किया था और उनसे वार्ता की गई थी उसके बावजूद भी संबंधित अधिकारियों द्वारा आखिरी समय तक इस संबंध में आंदोलनकारियों को आने की कोई जानकारी नहीं दी गई। जिससे आंदोलनकारी आहत है। आंदोलनकारियों का कहना है कि सम्मान स्वाभिमान से बड़ी बड़ी कोई भी चीज नहीं है। उन्होंने निर्णय लिया है कि राज्य सरकार, प्रशासन द्वारा राज्य आंदोलन के सम्मान में 8 नवंबर को जो प्रदेश भर में राज्य आंदोलनकारियों के सम्मान समारोह किया जा



रहा है। प्रदेश के आंदोलनकारी उस कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं होंगे। कहा कि राज्य गठन के 25 वर्ष बाद भी पहाड़ का पानी, पहाड़ की जवानी और पहाड़ की परेशानी कम होने के बजाय विकराल रूप ले चुकी है। राज्य आंदोलनकारी खड़क सिंह अग्रवाल की अध्यक्षता एवं पुष्कर दुर्गापाल के संचालन में संपन्न सम्मेलन में राज्य आंदोलनकारी प्रभात ध्यानी, हेमंत बगवानवाल, भुवन जोशी, चंद्रशेखर जोशी ने कहा कि जिन उम्मीदों अपेक्षाओं के साथ राज्य के लोगों ने

उत्तराखंड राज्य निर्माण की लड़ाई लड़ी, 42 से ज्यादा लोगों ने अपनी शहादत दी, खटीमा मस्जिद मुजफ्फरनगर कांड में अपने इज्जत, आबरू, सम्मान गंवाया, दमन उत्पीड़न हुआ। सत्ता में रहकर सरकारों ने राज्य की अवधारणा के लिए उल्टा काम किया। इस दौरान बैठक में प्रभात ध्यानी, चंद्रशेखर जोशी, इंदर सिंह मनराल, पुष्कर दुर्गापाल, मोहनी बंगारी, सुमित्रा बिष्ट, गणेश बिष्ट, राजेंद्र प्रसाद, गिरीश चंद्र खुलवे, देवकी नंदन, भुवन तिवारी नवीन नैथानी, जगदीश पांथरी, पान सिंह नेगी, बिशन सिंह मेहता, धनेश्वरी शिल्डवाल, डीडी सती, डॉक्टर निशांत पने, शेर सिंह लटवाल, योगेश सती, रईस अहमद, योगेश सती, बालम सिंह, नंदन सिंह जग्गी, शेर सिंह लटवाल, अनिल अग्रवाल, शोला भंडारी, रईस अहमद, प्रकाश पाठक, महावीर सिंह बिष्ट, निर्मला जोशी, अनीता सती, हीरा सिंह बिष्ट, मोहम्मद वसीम, कमल किशोर बुधानी, जो सी तिवारी, सुरेंद्र सिंह नेगी, जगदीश चंद तिवारी सहित बड़ी संख्या में आंदोलनकारी मौजूद रहे।

एक नजर प्रधानाचार्य के प्रकरण को लेकर हुई बैठक



शाह टाइम्स संवाददाता
पिथौरागढ़। जिला अधिकारी कार्यालय में जरनल बीसी जोशी विद्यालय प्रधानाचार्य के प्रकरण में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि 15 दिन के भीतर प्रधानाचार्य के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने व विद्यालय से अन्यत्र भेजने की बात कही। बैठक में कोई सरकारात्मक निर्णय नहीं निकला। जिलाध्यक्ष व दर्जा मंत्री गणेश भंडारी ने विद्यालय के चैयरमैन को स्पष्ट शब्दों में कहा कि नियत समय पर कार्रवाई नहीं हुई तो भाजपा पिथौरागढ़ विद्यालय जरनल बीसी जोशी के गेट पर घरना प्रदर्शन को बाध्य होंगे, जिसकी जिम्मेदारी विद्यालय प्रबंधन व सेना के उच्चाधिकारियों की होगी। बैठक में जिलाध्यक्ष गिरीश जोशी, दर्जा मंत्री गणेश भंडारी, जिला पंचायत अध्यक्ष जितेन्द्र प्रसाद, महापौर कल्पना देवला, पूर्व महामंत्री राकेश देवला, जिला मंत्री रघुवीर सिंह बिष्ट, जिला अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, बिग्रेडियर व सेना के उच्चाधिकारि उपस्थित रहे।

ठोटपुरा प्राथमिक विद्यालय में लगा जागरूकता शिविर

■ जनजातीय लोगों को मुफ्त प्रदान करना कानूनी सहायता उद्देश्य
■ जनजातियों के अधिकारों के बारे में दी दर्जनों छात्र- छात्राओं को जानकारी



शाह टाइम्स संवाददाता
बाजपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उधम सिंह नगर के तत्वाधान में जागरूकता शिविर का आयोजन कर जनजातियों के अधिकार बताए गए। गुरुवार को जनजाति बाजपुर के ठोटपुरा प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक जीत सिंह की अध्यक्षता में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उधम सिंह नगर सचिव योगेंद्र कुमार सागर के निदेशन में नालसा (जनजातीय अधिकार का

संरक्षण एवं प्रवर्तन) योजना 2025 विषय में पराविधिक कार्यकर्ता मोहम्मद शहीद ने छात्र- छात्राओं को जानकारी दी। उन्होंने कहा इस योजना का उद्देश्य भारत में जनजातीय लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता और उनके अधिकारों के बारे में जागरूकता प्रदान करना है। इसका मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि जनजातीय समुदाय,

ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी बड़ - पीपल की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लेने की परंपरा

■ नंदकुली गांव में सी वर्ष पुराने बड़ - पीपल के वृक्षों की धूमधाम के साथ की गई पूजा अर्चना



शाह टाइम्स संवाददाता
चंपावत। आज भी यहां के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ - पीपल वृक्ष की पूजा करने की परंपरा कायम है। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर नंदकुली गांव में आज देव डांगरों एवं लोगों द्वारा सामूहिक रूप से बड़ पीपल की की पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर पुरोहितां द्वारा विष्णु सहस्रनाम एवं भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए रुद्री पाठ किया जा रहा था।

उन्होंने काफी श्रद्धा व आस्था के साथ किया जिसमें गांव के लोगों को सामूहिक रूप से भोज भी कराया गया। आज नई पिढीं द्वारा बड़ - पीपल के वृक्षों की सामूहिक रूप से पूजा कर पूरे नंदकुली गांव समेत आस पास के ग्रामीण साक्षी बने। इस आयोजन में देव डांगर शिव दत्त जोशी, जगदीश जोशी, दिनेश जोशी, सतीश जोशी के

रन फॉर यूनिटी में शामिल हुए बड़ी संख्या में लोग



शाह टाइम्स संवाददाता
लोहाघाट। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर उनके सपनों के अनुसार देश की एकता व अखंडता के सूत्र में बांधे रखने के लिए आज नगर तथा ग्रामीण क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने एक साथ यात्रा निकाली। सरस्वती शिशु मंदिर से निकली इस यात्रा का शुभारंभ अपर जिला अधिकारी केएन गोस्वामी ने हरी झंडी दिखा कर किया। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि वे अपने संकल्प शक्ति के बल पर किस प्रकार देश को मुट्ठी की की तरह बांध कर एक बेमीसाल उदाहरण पेश किया था। आज हम सब उनके आत्मा की शांति के लिए देश को एकता के सूत्र में बांधने हेतु संकल्पवद्ध होकर इस यात्रा का शुभारंभ कर रहे हैं।

यह यात्रा सरस्वती शिशु मंदिर से होते हुए मीना बाजार, टाउन हॉल रोड, गांधी चौक, पुरानी बाजार, स्टेशन बाजार होते हुए वीर कालू सिंह मेहरा चौक पहुंची जहां लोगों ने वीर सैनिकों की मूर्ति में सप्ती ने पुष्पांजलि अर्पित की बाद में यह यात्रा कोली टेक्क झील परिसर में पहुंची। इस अवसर पर दर्जा राज्य मंत्री श्याम नारायण पांडे ने सभी को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाते हुए लौह पुरुष के चट्टानी इरादों की नई पीढ़ी को जानकारी देते हुए कहा आज भी राष्ट्रीय जीवन में लौह पुरुष के संकल्प हमें राष्ट्रीय कर्तव्यों का बोध करते हैं। इस यात्रा में भाजपा जिला अध्यक्ष गोविंद सामंत, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य सतीश चंद्र पांडे, नगर पालिका के अध्यक्ष गोविंद वर्मा, राज् अधिकारी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति राय, देवेंद्र पाटनी, मुकेश कलखुड़ीया राज् गडकोटी आदि सैकड़ों लोग शामिल थे। यात्रा का संयोजन हिमेश कलखुड़ीया ने किया। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

कैमिकल से भरे टैंकर के नाले में घुस जाने से बड़ा हादसा होते-होते बचा

शाह टाइम्स संवाददाता
जसपुर। पुलिस चौकी नांदेही से मात्र 200 मीटर की दूरी पर नैनीताल बैंक के सामने कैमिकल ले जा रहे टैंकर को रोड पर बैंक करते समय पिछले टायर नाले में धस जाने के कारण बड़ा हादसा होते-होते टल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गाजियाबाद से कैमिकल भरकर लाई टैंकर संख्या यूपी-53डीटी 7289 को को ड्राइवर द्वारा बीच सड़क पर बैंक किया जा रहा था। अनजाने में टुक रोड किनारे नाले पर चढ़ जाने से नाले में बुरी तरह से धस गया, जिससे रोड पर जा रहे लोगों में अफरा तफरी मच गई। टुक ड्राइवर ने तुरंत कूद कर अपनी जान बचाई नाले में टैंकर के टायर चले जाने से टैंकर पलटते पलटते बचा। घटना की सूचना मिलते ही त्वरित चौकी नांदेही इंचार्ज सतीश देवरानी ने पहुंचकर टैंकर को निकालने के लिए हाइड्रा मशीन की व्यवस्था करवाई। प्रत्यक्षियों द्वारा बताया गया कि यदि टैंकर पलट जाता तो कैमिकल से बड़ा हादसा हो सकता था। खबर लिखे जाने तक मौके पर टैंकर को निकालने का काम जारी है।



हिमालयी राज्यों पर पर्यटन के बुनियादी ढांचे को लेकर हुई राष्ट्रीय गोष्ठी

■ कला-संस्कृति, प्रकृति और होम-स्टे पर्यटन के क्षेत्र में उत्तराखण्ड की रीढ़: प्रो. बिष्ट
■ राष्ट्रीय सेमीनार के स्मारिका विमोचन में 120 शोध पत्र प्रकाशित

शाह टाइम्स संवाददाता
लोहाघाट। स्वामी विवेकानन्द गवर्नमेंट पीजी कॉलेज लोहाघाट में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार शुरू हो गया है। जिसमें भारतीय समाजिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित सेमिनार में मुख्य अतिथि प्रोफेसर बीएस बिष्ट, सेवानिवृत्त, समाजशास्त्र विभाग, कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल, विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर आनंद प्रकाश सिंह, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय बनबसा, विशिष्ट अतिथि डॉ. संदेशा रायणा गव्याल जवाहरलाल नेहरू, नई दिल्ली, विशिष्ट अतिथि श्री सतीश

पाण्डे समाजसेवक उपस्थित रहे। सचलन डॉ. ममता बिष्ट एवं डॉ. स्वाति जोशी ने संयुक्त रूप से किया, सेमिनार संयोजक डॉ. दिनेश व्यास, सोनारन समिति सदस्य डॉ. रेखा जोशी, डॉ. किशोर जोशी, डॉ. ममता बिष्ट, डॉ. सोमा नेगी, डॉ. नीरज काण्डपाल, डॉ. स्वाति काण्डपाल एवं डॉ. सरस्वती भट्ट रहे। सर्वप्रथम अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय परिवार द्वारा किया गया स डॉ. दिनेश व्यास ने राष्ट्रीय सेमिनार के विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत के सात पर्वतीय राज्यों को पर्यटन के क्षेत्र में विकास करने में पर्यावरण संरक्षण

और संवर्धन की अत्यंत आवश्यकता है। मुख्य अतिथि प्रोफेसर बीएस बिष्ट ने कहा कि विश्वस्तार पर पर्यटन आज के समय में सबसे बढ़ता हुआ उद्योग है जिसमें विश्वस्तार के जीडीपी का 10.9 मिलियन नौकरी सृजित करने की क्षमता रखा है स भारत वर्ष 2024-25 में लगभग 15.7 लाख करोड़ रुपये पर्यटन से आय प्राप्त हुई है। पर्यटन में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश किया जा रहा है जिसमें योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, कला-संस्कृति, पर्वतारोहण आदि में विशेष योगदान दे रहे हैं अन्ततः पर्यटन मानव के अंतर मन पर विशेष प्रभाव डालता है।

डॉ. संगीता गुप्ता, प्राचार्य ने कहा कि सतत पर्यटन के लिए हिमालयीय राज्यों को विशेष नीति बनाने की अत्यन्त आवश्यकता जिससे यहां पर पर्यटकों को लम्बे समय तक आकर्षित किया जा सके और हिमालयी राज्यों के कला, संस्कृति एवं होम स्टे को बढ़ावा मिल सके। सतीश पाण्डे, समाजसेवक द्वारा कहा गया कि कुमाऊं मण्डल की अपेक्षा गढ़वाल मंडल में पर्यटन अधिक बेहतर और विकसित है। उत्तराखण्ड सरकार को कुमाऊं के क्षेत्र में पर्यटन का संवर्धन और संरक्षण करने की अत्यंत आवश्यकता है। उत्तराखण्ड में स्वच्छता अभियान से पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा इस लिए आम नागरिकों को जागरूक करने की अत्यन्त आवश्यकता है।

प्रोफेसर आनंद प्रकाश सिंह, प्राचार्य ने कहा की 21वीं सदी का तीसरी सदी उत्तराखण्ड का है इसलिए उत्तराखण्ड की उच्चशिक्षा में पर्यटन को विशेष नीति बनाने की आवश्यकता है। प्रोफेसर आनंद प्रकाश सिंह, प्राचार्य ने कहा की 21वीं सदी का तीसरी सदी उत्तराखण्ड का है इसलिए उत्तराखण्ड की उच्चशिक्षा में पर्यटन को विशेष नीति बनाने की आवश्यकता है। प्रोफेसर आनंद प्रकाश सिंह, प्राचार्य ने कहा की 21वीं सदी का तीसरी सदी उत्तराखण्ड का है इसलिए उत्तराखण्ड की उच्चशिक्षा में पर्यटन को विशेष नीति बनाने की आवश्यकता है।

अधिकारी लोहाघाट थानाध्यक्ष श्री अशोक कुमार, श्री जितेंद्र राय, महाविद्यालय में उपस्थित डॉ. अपरा जिता, डॉ. लता कैड, डॉ. वृजेश कुमार ओली, डॉ. रवि सनवाल, डॉ. एस पी सिंह, डॉ. प्रफुल्ल धामी, डॉ. उपेन्द्र चौहान, डॉ. सोनाली कार्तिकेय, डॉ. पंकज टट्टा, डॉ. महेश त्रिपाठी, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. रश्मि जोशी, अनिता टट्टा, डॉ. सरोज यादव, डॉ. उमा काण्डपाल, डॉ. बन्दा चंद, डॉ. अर्चना त्रिपाठी, डॉ. मीना, डॉ. अनिता खर्कवाल, डॉ. सुमन पाण्डे, डॉ. दीपक जोशी, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिनेश राम, डॉ. शांति, डॉ. भगत राम, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. नम्रता महर, श्रीमती गोपार, भावना खर्कवाल आदि उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद ने भारत को जानो प्रतियोगिता की आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता
खटीमा। भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित भारत को जानो प्रतियोगिता का शाखा स्तरीय प्रश्न मंच आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में 27 विद्यालयों ने कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग में प्रतिभा किया। लिखित परीक्षा में लगभग 4500 बच्चों में से चुनकर आए पांच विद्यालयों का चयन किया गया। जिसमें डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल के दिव्यांशु बोरा व विजय देव कनिष्ठ वर्ग तथा वरिष्ठ वर्ग में शिक्षा भारती इंटर कॉलेज के हर्षित यादव व दिवाकर पाठक प्रथम स्थान पर रहे।



हिंदू पब्लिक स्कूल के सभागार में आयोजित इस प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रांतीय संरक्षक हरीश जोशी एडवोकेट, प्रांतीय महासचिव हरीश शर्मा, शाखा अध्यक्ष नीरज वर्मा, सचिव विवेक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अमरनाथ

गोयल, महिला संयोजक असोनिया सुनेजा, गीता राम बंसल, विशाल गोयल, नीरज कुमार, सुनील रैवानी ने संयुक्त रूप से किया। शुभारंभ अवसर पर भारत माता व स्वामी विवेकानंद के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर व पुष्प अर्पित कर वंदे मातरम गीत के साथ हुआ। प्रतियोगिता में इतिहास, भूगोल, धर्म व संस्कृति, विवेक, बजर, रैपिड इत्यादि राउंड में हुई प्रतियोगिता में प्रत्येक वर्ग से प्रथम द्वितीय व तृतीय विजेता घोषित किए गए। कनिष्ठ वर्ग में द्वितीय हिंदू पब्लिक स्कूल के निकिता चंद्रा व श्रद्धा तृतीय शिक्षा भारती के प्रिया मुरारी व पार्थ नैनवाल, वरिष्ठ वर्ग में

द्वितीय सेंट जेवियर के विवेक शर्मा व निधि यादव, तृतीय हिंदी पब्लिक स्कूल के रश्मि गहलोटी व खुशबू रेखाडी रहे। प्रत्येक विजेता एवं प्रतिभागीयों को स्मृति चिन्ह व प्रस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के सूत्रधार भुवन उप्रेती, सुखजीत खिंडा, प्रमोद पांडे, राकेश मौर्य, एवं व कार्यक्रम संचालक विवेक अग्रवाल, ने भुवन उप्रेती व हरीश शर्मा ने किया। वहां दीपक खर्कवाल, अतुल अरोरा, हरप्रीत सिंह महल, अमृता महल, सपना गुलाटी, रिशेरा टंडन, दलजीत खिंडा, मंजू खन्ना, मंजू गोयल, मुकेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

द्वितीय सेंट जेवियर के विवेक शर्मा व निधि यादव, तृतीय हिंदी पब्लिक स्कूल के रश्मि गहलोटी व खुशबू रेखाडी रहे। प्रत्येक विजेता एवं प्रतिभागीयों को स्मृति चिन्ह व प्रस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के सूत्रधार भुवन उप्रेती, सुखजीत खिंडा, प्रमोद पांडे, राकेश मौर्य, एवं व कार्यक्रम संचालक विवेक अग्रवाल, ने भुवन उप्रेती व हरीश शर्मा ने किया। वहां दीपक खर्कवाल, अतुल अरोरा, हरप्रीत सिंह महल, अमृता महल, सपना गुलाटी, रिशेरा टंडन, दलजीत खिंडा, मंजू खन्ना, मंजू गोयल, मुकेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खेल समाचार

श्रुव का नाबाद शतक, भारत 'ए'

255 पर सिमटा

बेंगलूर, बार्ता। श्रुव कुल (नाबाद 132) की शानकापारी के रम पर भारत ए गुरुवार को दूसरे अर्धशतकरीक्रेट के केवल दिन का 255 रन के सम्मानजनक स्कोर पर सिमट गया। यहाँ दक्षिण अफ्रीका ए टीम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत ए की शुरुआत खराब रही और उसने नियमित अंतराल पर एक के बाद एक विकेट गंवाये। भारत ए का पहला विकेट दूसरे ओवर में अभिषेक शर्मा (शून्य) के रूप में गिरा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये साई सुदर्शन ने केएल राहुल के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 16वें ओवर में रियाज बेन बुरैत ने केएल राहुल (19) को आउटकर भारत को दूसरा झटका दिया।

दीपति, लैनिंग और सोफी के रिलीज होने की संभावना

मुंबई, बार्ता। चूँकि पांच टीमों में गुरुवार को अपनी दिव्यता मुचु की घोषणा करने वाली हैं, इसलिए कुछ बड़े नाम-लैनिंग, दीपति म्यांग, मेघ लैनिंग, सोफी एक्सस्टोन और अमेरिका के राशमिल हैं - के इसमें शामिल होने की संभावना नहीं है। आगामी महिला प्रीमियर लीग में गा मालीमी से पहले, प्रत्येक टीम अधिकतम पांच रिलीज कर सकती है। इन रिलीज में अमेरिका तीन भारतीय केच खिलाड़ी, दो विदेशी खिलाड़ी और दो भारतीय अनेकछ खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं। अगर कोई फ्रेंचाइजी पांच खिलाड़ियों को रिलीज करना चाहती है, तो उनमें से एक खिलाड़ी अनपेक्षित खिलाड़ी नहीं चाहिए, जैसा कि नीचे सूचीबद्ध हैं।

स्मृति मंथाना अक्टूबर के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की होड़ में



दुबई, बार्ता। तीन स्मिथ-नॉमान और, सुनर मुधुसाही और गायर खान-अब्दुल के लिए आसिरी प्रथम प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार की दौड़ में हैं, जबकि आसिरी महिला क्रिकेट विश्व कप की स्टार खिलाड़ी देश गार्डनर, स्मृति मंथाना और लॉली वुलफार्ड ने

भारत ने चौथा टी-20 जीता

गोल्ड कोस्ट, बार्ता। भारत ने चौथे टी-20 मैच में ऑस्ट्रेलिया को 48 रन से हरा दिया। यह श्रृंखला की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसके घर में सबसे बड़ी जीत है। पिछला रिकार्ड 37 रन का है, जो भारत ने 2016 में एडिलेड में बनाया था।

गोल्ड कोस्ट में गुरुवार को 168 रन का टारगेट चुन कर रही ऑस्ट्रेलिया 18.2 ओवर में 119 रन पर आउटआउट हो गई। वाशिंगटन सुंदर ने 3 रन देकर 3 विकेट झटकें। अक्षर पटेल और शिवम दुबे को 2-2 विकेट मिले। टीम हारकर बैटिंग कर रही भारतीय टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 167 रन बनाए। शुभमन गिल ने सबसे ज्यादा 46 रनों की पारी खेली। उन्होंने अभिषेक शर्मा के साथ 56 रनों की ओपनिंग साझेदारी की। कप्तान सुर्यकुमार यादव 20 और शिवम दुबे 22 रन बनाकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया के नाथन एलिस और जेड जम्पा ने 3-3 विकेट झटके। जैवियर बाटलेट और मार्कस

● ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में सबसे बड़े अंतर से हराया, टीम इंडिया ने सीरीज में 2-1 की बढ़त बनाई

● टी-20 अंतर्राष्ट्रीय के दूसरे सबसे छोटे स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया ऑलआउट, सुंदर-शिवम दुबे व अक्षर पटेल चलाके

स्टोनिंस को एक-एक विकेट मिला। अक्षर पटेल और राउंडर अक्षर पटेल प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। उन्होंने भारतीय पारी के आखिरी ओवर में 11 बाल पर एक चौके और एक छक्के के सहारे नाबाद 21 रन की पारी खेली। इस पारी ने टीम का स्कोर 167 रन तक पहुंचा दिया।

फिर गेंदबाजी में मैथ्यू शार्प (25 रन) और जोश इलिस (12 रन) को आउट करके ऑस्ट्रेलिया पर शुरुआती दबाव बनाया।

उन्होंने 4 ओवरों की गेंदबाजी में 20 रन दिए। भारत ने 2-1 की बढ़त बनाई इस जीत के साथ ही भारतीय

टीम ने 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली है। सीरीज का पहला मुकाबला बेंगलूर में था। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे मैच को जीतकर 1-0 की बढ़त ली थी। उसके बाद भारत ने तीसरे मैच में जीत दर्ज करके 1-1 की बराबरी हासिल की थी।

मैच के बाद अक्षर पटेल बोले कि टीम के लिए योगदान देकर खुश हूँ प्लेयर ऑफ द मैच अक्षर पटेल ने कहा किरेम के लिए योगदान देकर खुश हूँ। मेरे पास विकेट भांने का समय था। साथियों ने बताया था कि पिच आसान नहीं है और गेंद रुक कर आ रही है। इसीलिए मैंने इंतजार किया और शॉट खेलें।

उन्होंने कहा कि बतौर बालर यही सोचता हूँ कि बैटर का मजबूत पक्ष क्या है। मेरी योजना यही रहती है कि अगर बैटर मुझे हिट करे तो मैं गूड़ लेंगू एरिया के आसपास गेंद डालूँ और अगर वह स्वीप का प्रयास करे तो मैं फुलर लेंगू गेंद डालूँ।

गेंदबाजों ने परिस्थितियों के अनुसार खुद को अच्छी तरह से ढाला: कप्तान

कारा, बार्ता। भारतीय कप्तान सुर्यकुमार यादव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथा टी-20 जीतने और सीरीज में 2-1 की बढ़त बनाने का श्रेय गेंदबाजों को देते हुए प्रशंसा की।

गेंदबाजों ने परिस्थितियों के अनुसार खुद को अच्छी तरह से ढाला। सुर्यकुमार ने मैच के बाद पेंचेंडेशन में कहा कि सभी बल्लेबाजों को इसका श्रेय जाता है। शुभमन और अभिषेक ने अच्छी शुरुआत दिलाई और बाद में आने वाले सभी बल्लेबाजों ने अपना योगदान दिया तो मुझे लगता है कि बल्लेबाजों की ओर से यह एक कमप्लेटी टीम एपेंट था। ड्यू पड़ रही थी, लेकिन गेंदबाजों ने परिस्थितियों के अनुसार खर को अच्छी तरह से ढाला। हमेशा ऐसे गेंदबाजों का टीम में होना अच्छा होता है जो जरूरत पड़ने पर अगर अगर डांस सकें। अंतिम मैच के लिए काफी उत्सुक हूँ। प्लेयर ऑफ द मैच बने अक्षर पटेल ने कहा कि मैं नंबर सात पर बल्लेबाजी के लिए गया और मेरे पास विकेट भांने का समय था, साथी बल्लेबाज ने बताया कि पिच बल्लेबाजों के लिए अच्छी नहीं है और गेंद रुक कर आ रही है। टीम को जरूरत के हिसाब से खेले पर मेरा ध्यान रहता है। कोई मेरी पसंद का नंबर नहीं है मैं बस टीम के लिए



योगदान देकर खरा हूँ। बतौर गेंदबाज मैं यही सोचता हूँ कि बल्लेबाज का मजबूत पक्ष क्या है। मेरी योजना यही रहती है कि अगर बल्लेबाज मुझे हिट करे तो मैं गूड़ लेंगू एरिया के आसपास गेंद डालूँ और अगर वह स्वीप का प्रयास करे तो मैं फुलर लेंगू गेंद डालूँ। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने हार के बाद कहा कि 167 का स्कोर पर स्कोर था। इस तरह की पेंच में आपकी अच्छी साझेदारी की जरूरत होती है और हमें जो गेंदें मिली हैं, उनका उपयोग करना चाहिए।

दिप्तायान ने नेपोमनिकायाची को हरया

पणजी, बार्ता। भारत के ग्रैंडमास्टर दिप्तायान घोष ने काले मोहरी से खेलते हुए बड़ा उलटफेर करते हुए दो बार के किंडेस्ट विजेता रमन नेपोमनिकायाची को हरया करने में सफल हुए।

नेपोमनिकायाची के खिलाफ दूसरे राउंड का पहला गेम सफेद मोहरी से ड्रा होने के बाद, भारतीय ग्रैंडमास्टर ने शुरुआती मुकाबलों में रूसी खिलाड़ी को एक छोटी सी गलती का फायदा उठाया और 47 चालों में जीत हासिल की।

अगला पहला विश्व कप खेल रहे दिप्तायान ने काले मोहरी से दो बार की किसी मैच में हारना बहुत बड़ी बात है। इसलिए, निश्चित रूप से यह एक बड़ा दिन है। इस जीत को आत्मसात करने में थोड़ा समय लगेगा। इससे पहले, 39 वर्षीय

● विश्व चैम्पियन मुकेश डी और सलोवा रैकिंग वाले भारतीय अर्जुन एनीमोसी भी अगले दौर में पहुंच पाए हैं

बुल्गारिया के ग्रैंडमास्टर मार्टिन पेट्रॉव को सफेद मोहरी से 48 चालों में हराकर दो मुकाबलों में दो जीत दर्ज कीं। लेकिन यह दिन निस्संदेह दिप्तायान के नाम रहा। नेपोमनिकायाची के खिलाफ दूसरे राउंड का पहला गेम सफेद मोहरी से ड्रा होने के बाद, भारतीय ग्रैंडमास्टर ने शुरुआती मुकाबलों में रूसी खिलाड़ी को एक छोटी सी गलती का फायदा उठाया और 47 चालों में जीत हासिल की।

अगला पहला विश्व कप खेल रहे दिप्तायान ने काले मोहरी से दो बार की किसी मैच में हारना बहुत बड़ी बात है। इसलिए, निश्चित रूप से यह एक बड़ा दिन है। इस जीत को आत्मसात करने में थोड़ा समय लगेगा। इससे पहले, 39 वर्षीय

सि ग-अट - एल मि ने १1 न नॉक-आउट टूर्नामेंट के रूप में खेला जा रहा है, जिसमें 82 देशों के 206 खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा विश्वनाथ आनंद कप के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इस टूर्ना में का नाम भारतीय दिप्तायान विश्वनाथ आनंद कप के नाम पर रखा गया है। दूसरे राउंड में कुल 17 भारतीय खिलाड़ी मैदान में थे, जिसमें ग्रैंडमास्टर अरवि चितंबरम और ग्रैंडमास्टर कार्तिक वेंकटरमन के बीच अखिल भारतीय मुकाबला था। अन्य भारतीयों में, ग्रैंडमास्टर कासा साधवानी, विजित गुरावती, आर- प्रजानंद और नागपवन एलएएए अपने दोनों मैच जीतने के बाद सफेद राउंड में प्रवेश कर रहे हैं। विश्व जूनियर चैम्पियन प्रणव भी- भी गुरुवार को ट्राई-ब्रेक खेलेंगे, जबकि वे नॉक के अंथन तरी से दूसरा गेम हार गए हैं।

पंजाब एफसी ने दिखाया धैर्य सेमीफाइनल में बनाई जगह

फातीर, बार्ता। पंजाब एफसी ने जबरदस्त धैर्य और संयम का प्रदर्शन करते हुए बेंगलूर एफसी को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराकर एएआईएफ सुपर कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए इस अंतिम मु्य मैच में दोनों टीमों के बीच निर्धारित समय तक मुकाबला जारीरहा। चूँकि दोनों टीमों अंक और पारी के मामले में बराबरी पर थीं, इसलिए मु्य विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। गृहीत शम्भर ने बेंगलूर के रवान वलियसम का तीसरा शॉट शानदार तरीके से बचाया, जबकि पंजाब एफसी के सुप्रीम एफएनएफ, प्रिस्टन रमेली, समीर जेलवन्तपुर, लिओन ऑगिस्टिन और निराला राय ने सटीक निशाना साधकर 'शॉट' को सफा कप के विजिता में पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचाया। पंजाब एफसी के प्रमुख कोच पन्नावेल्लियस दिव्यपेरिस ने शूटआउट प्रदर्शन में दो बल्लेबाज - धावल मुहम्मद सुबूल को जगह दिलाने और अंतिम शॉट को शांतिका किया गया और नाइजीरियाई स्ट्राइकर सुप्रीम एफएनएफ को मारने-थंग किचनेन को जगह दिलाने का प्रयास में उतारा गया। बेंगलूर एफसी के कोच जेरेड जेवोगोसा ने पिछली दो मैच की वही टीम टीम में उतारी। पहले हाफ में पंजाब एफसी का प्रदर्शन ठीक था। गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और आक्रामक रूप में आगे बढ़ी। एफएनएफ को हाफ का पहला असली मौका तब मिला जब दानी रमिज ने बेंगलूर के डिफेंडर से गेंद छीनी और एफएनएफ के लिए शानदार पास दिया, लेकिन फाइनल शूटआउट गेंद को टोक से निशाना नहीं कर पाए और मौका चूक गए। पंजाब के हमलावरों ने बेहतरीन तालमेल दिखाया और लिओन ऑगिस्टिन का एक शूट बरफ के ऊपर पड़ा गया। दूसरी ओर, बेंगलूर एफसी काउंटर अटैक के सहारे खेलते रहे, लेकिन पंजाब की सुदृढ़ रक्षा पंक्ति और गोलकीपर मुहीत शम्भर ने कोई भी मौका नहीं दिया।

पीवीसिंधु लांस एंजेलिस 2028 में तीसरा ओलंपिक पदक जीत सकती हैं: सायना



मुंबई, बार्ता। लंदन 2012 ओलंपिक पदक विजेता सायना नेहावाल का मानना है कि साथी शटलर पीवी सिंधु के लॉस एंजेलिस 2028 खेलों में तीसरा ओलंपिक पदक जीतकर इतिहास रचने का 'अनुभव' और दृढ़ संकल्प दोनों हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में मुंबई में आयोजित फिट इंडिया नेशनल फिटनेस एंड वेलनेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, पूर्व विश्व नंबर 1 खिलाड़ी ने ओलंपिक शॉट काफ को बताया कि सिंधु की जीत की संभावना इस बात पर निर्भर करती है कि वह लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक से पहले अपने शरीर और फॉर्म को किताबी अच्छी तरह प्रदर्शित करती हैं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने रियो 2016 में पदक जीतने और टोक्यो 2020 में कांस्य पदक जीता था। इस तरह वह दो व्यक्तिगत ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला को अंशाला सुशाला कुमार के बाद दूसरी भारतीय

होगी क्योंकि फिटनेस और फॉर्म की कमी गायत्री नहीं होती और खेलों के लिए अंतिम क्वालिफिकेशन से पहले के हफ्ते सबसे ज़बदा मायाय रहते हैं। रियो 2016 में स्वर्ण पदक जीतने वाली सिंधु ने पोपुलर रिपब्लिक ऑफ चाइना की हो विंगियाओ को 21-13, 21-15 से हराकर महिला एकल में कांस्य पदक जीता। पेरिस में, सिंधु प्री-क्वार्टर फाइनल चरण में उन्नी फ्राइडो से 21-19, 21-14 से हार गईं। पिछले महीने, उन्होंने यूरोपीय चरण से पहले लॉली बेर की चोट के कारण, 2025 में होने वाले सभी अंतिमिजन वर्ल्ड फेडरेशन रा इवेंट्स से श्रेय वर्ग के लिए नास वापस ले लिया। 2025 में, सिंधु का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा है, जिसके कारण आशा रंजन बर पहले दौर से बाहर होने से उनकी प्रतिस्पर्धा को क्वांटास फायदा नहीं हुआ है। वेबसाइट के अनुसार, पिछले कुछ सौजन में चोटों ने उन्हें प्रेरणा दी है।

फीफा करेगा लोगों को 'फीफा शांति पुरस्कार' से सम्मानित

जिनेवा, बार्ता। फेडरेशन इंटरनेशनल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) दुनिया में संघर्षों को समाप्त करने वाले और शांति के प्रयास करने वाले लोगों को आगामी विश्वकप के फाइनल डे के दौरान 'फीफा शांति पुरस्कार' से सम्मानित करेगा।

फीफा ने जारी एक बयान में कहा कि फीफा शांति पुरस्कार - फुटबॉल दुनिया को एकजुट करता है, यह दुनिया भर के बीच अरब से ज्यादा फुटबॉल पसंद करने वाले लोगों की ओर से दिया जाएगा। फुटबॉल में और फुटबॉल के लिए अरब से ज्यादा काफ़ी से, वे सभी लोग फीफा के आदर्श वाक्य 'फुटबॉल दुनिया को एकजुट करता है' में योगदान देते हैं, क्योंकि वे लड़कियों और लड़कों, महिलाओं और पुरुषों को जुनून, खोज, आशा और खुशी के इर्द-गिर्द एकजुट करते हैं, और

आप युवा लड़कियों के लिए रोल मॉडल हैं: मुर्मु



नई दिल्ली, बार्ता। राष्ट्रीय मुलकाता को खिलाड़ियों के मुलकाता को खिलाड़ियों के आंख युवा पीढ़ी की लड़कियों के लिए रोल मॉडल बन गई हैं, इससे उन्हें और भी अधिक प्रेरणा मिलेगी। यहाँ राष्ट्रीय

भवन में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस समारोह में भारतीय महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने ट्राफी लेकर राष्ट्रपति मुर्मू के साथ फोटो खिचवाई। इस दौरान कप्तान हरमनप्रीत कौर ने राष्ट्रपति को खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली टी-शर्ट भेंट की। इस अवसर पर श्रीमती मुर्मू ने कहा कि आप युवा पीढ़ी, विशेषकर लड़कियों के लिए रोल मॉडल बन गई हैं, इससे वह जीतने में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगी। राष्ट्रपति ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की हर सदस्य को बधाई दी और कहा कि उन्होंने क्रिकेट विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया है। देश और विश्व में लाखों भारतीय इस जीत का जश्न मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह टीम भारत को दिखाती है। वे अलग-अलग क्षेत्रों, अलग-अलग सामाजिक

पृष्ठभूमि, अलग-अलग परिस्थितियों का प्रतिनिधित्व करती हैं। लेकिन वे एक टीम हैं - भारत। यह टीम भारत को उसके सबसे अच्छे रूप में दिखाती है। श्रीमती मुर्मू ने कहा कि टीम ने सात बार की विश्व चैम्पियन और उस समय तक अजेय रही ऑस्ट्रेलियाई टीम को सेमीफाइनल में हराकर सभी भारतीयों का अपनी कालिबलिंग पर विश्वास मजबूत किया। विशेषकर लड़कियों के लिए रोल मॉडल बन गई हैं, इससे वह जीतने में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगी। राष्ट्रपति ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की हर सदस्य को बधाई दी और कहा कि उन्होंने क्रिकेट विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया है। देश और विश्व में लाखों भारतीय इस जीत का जश्न मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह टीम भारत को दिखाती है। वे अलग-अलग क्षेत्रों, अलग-अलग सामाजिक

स्वैश्व विश्व कप में भारत समेत 12 देश भाग लेंगे

चेन्नई, बार्ता। संजयान भारत, गत विजिता मिश्र और पिछले संस्करण के उर्विजेता मलेशिया सहित बाह्य देश 9 से 14 दिसंबर तक चेन्नई में आयोजित होने वाले स्वैश्व विश्व कप 2025 में भाग लेंगे। खेल की वैश्विक नियामक संस्था, विश्व स्वैश्व ने पुष्टि की है कि एक्सप्रेस एवेन्सु मॉर्ग में होने वाले मिश्र टीम टूर्नामेंट के पांचवें संस्करण में 12 देश प्रतिस्पर्धा करेंगे। 2023 में इसी स्थान पर आयोजित पिछले संस्करण में आठ स्वैश्व टीमों ने भाग लिया था। यह 12 वर्षों में पहला स्वैश्व विश्व कप था। स्वैश्व विश्व कप 2025 की टीमें:

ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, मिस्र, हांगकांग, भारत, ईरान, जपान, मलेशिया, पोलैंड, कोरिया गणराज्य, दक्षिण अफ्रीका, स्विट्जरलैंड

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

शुक्रवार , 7 नवम्बर 2025

वायु प्रदूषण खतरनाक

प्रत्येक वर्ष सर्दियों में दिल्ली को फसल अवशेषों के दहन, वाहनों से निकलने वाले उत्सर्जन और प्रतिकूल मौसम की स्थिति के परिणामस्वरूप वातावरण में प्रदूषकों के अवस्थित रह जाने के कारण गंभीर वायु प्रदूषण का सामना करना पड़ता है। वर्ष 2025 में दिल्ली सरकार और आईआईटी कानपुर ने कृत्रिम वर्षा कराने के लिए क्लाउड सीडिंग प्रयोग किए, लेकिन कम वायुमंडलीय नमी के कारण इस प्रयास को सीमित सफलता मिली। इस घटना ने यह स्पष्ट किया कि 'क्लाउड सीडिंग' एक अस्थायी और अनिश्चित उपाय है, जो यह संकेत देता है कि प्रदूषण के मूल कारणों से निपटने के लिए दीर्घकालिक, समन्वित और वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित रणनीतियों की आवश्यकता है, न कि प्रतीकात्मक हस्तक्षेपों पर निर्भरता की। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में इससे संबंधित याचिका दाखिल की गई है, जिसमें बताया गया है की देश की राजधानी दिल्ली में ही 22 लाख बच्चों के फेफड़ों में संक्रमण हो गया है। इसमें यह भी मांग की गई की प्रदूषण को पब्लिक हेल्थ इमरज. 'सी घोषित किया जाए। वास्तव में प्रदूषण मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक होता है, इसलिए केंद्र सरकार को सभी राज्यों को इस संबंध में एडवाइजरी जारी करनी चाहिए कि प्रदूषण को कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए। इसमें देश के हर नागरिक को बटुचढ़कर भागीदार बनना होगा, तब कहीं वायु प्रदूषण को कम किया जा सकता है। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे की वर्ष 2024 की एक रिपोर्ट क्लाउड सीडिंग को एक मौसम परिवर्तन तकनीक के रूप में परिभाषित करती है जिसमें वर्षा बढ़ाने के लिए उपयुक्त बादलों में 'बीज' कण प्रविष्ट कराए जाते हैं। भारत में तेजी से बढ़ते मोटरीकरण ने वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को प्रदूषण का एक प्रमुख स्रोत बना दिया है। अकेले दिल्ली में परिवहन सभी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 30 प्रतिशत से अधिक का योगदान(भारत के प्रमुख शहरों का ग्रीनहाउस गैस फूटप्रिंट) देता है। वाहन सूक्ष्म कणिका पदार्थ (पीएम 2.5), नाइट्रोजन ऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और हाइड्रोकार्बन उत्सर्जित करते हैं, जिससे वायु की गुणवत्ता बहुत बिगड़ जाती है। ग्लोबल बर्डन आफ डिजीज 2023 रिपोर्ट के अनुसार वायु प्रदूषण भारत में अकाल मृत्यु और विकलांगता के शीर्ष तीन कारणों में से एक बना हुआ है। वायु प्रदूषण भारत में सालाना 20 लाख से अधिक मौतों का कारण बनता है। इसके लिए सरकार की नहीं आम जन भी जिम्मेदार है। जिसका खामियाजा केवल बच्चों को ही नहीं बड़ों को भी भुगतना पड़ रहा है। हर साल सर्दियों के मौसम में ऐसी दिक्कतें आती हैं और कुछ लोग कोर्ट भी चले जाते हैं, लेकिन कोर्ट का एक ही कहना है कि इस संबंध में केंद्र और राज्य सरकारों को मिल जुलकर काम करने की जरूरत है। कोर्ट के इस आदेश के बाद भी न तो केंद्र सरकार ही और न राज्य सरकारें ही अपने कर्तव्यों को पूरा कर रही हैं, जिस कारण वायु प्रदूषण हर साल गंभीर अवस्था में चला जाता है।

अमीरों की घन-दौलत 62 प्रतिशत बढ़ी

देश की अर्थव्यवस्था में तेजी से बढ़ती असमानता और आर्थिक विषमता समाज के लिए एक गहरी चिंता का विषय है, जब देश के एक प्रतिशत अमीरों की घन-दौलत पिछले कुछ वर्षों में 62 प्रतिशत बढ़ गई है, तो यह समझना कठिन नहीं कि 99 प्रतिशत नता के हिस्से में कितना धन बचा होगा, इस बढ़ती आर्थिक खाई ने न केवल आर्थिक भेदभाव को, बल्कि सामाजिक भेदभाव को भी और गहरा किया है, जब समाज के कुछ वर्गों के पास अपार संपत्ति और संसाधन केंद्रित हो जाते हैं, तो बाकी जनता के लिए अवसर और सम्मान के द्वार सीमित हो जाते हैं, आय का तात्किक और न्यायपूर्ण वितरण ही सामाजिक समानता का सच्चा मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

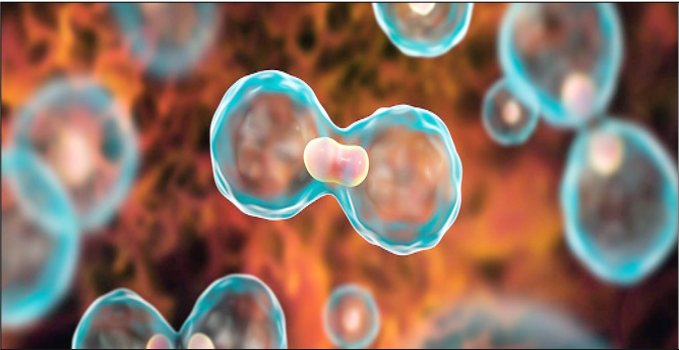
-अखिलेश यादव , अध्यक्ष , समाजवादी पार्टी



कैंसर, किसी भी व्यक्ति के लिए यह एक ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं। कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे मरीजों में आशा की नई उम्मीद जगाने, लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने, प्राथमिक स्तर पर कैंसर की पहचान करने और इसके शीघ्र निदान तथा रोकथाम के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 7 नवम्बर को 'राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में यह महज एक दिवस भर नहीं है बल्कि कैंसर से लड़ रहे उन तमाम लोगों में नई चेतना का संचार करने और नई उम्मीद पैदा करने का विशेष अवसर भी है।

भारत में कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का अब उपचार संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरों के प्रति जागरूक रहें। कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो इसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद

जागरूकता से ही जीती जा सकती हैं कैंसर की लड़ाई



अगर हम इस बीमारी पर लगातार लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है। यह भी जान लें कि 'कैंसर' आखिर है क्या? जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की को. शिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं। कोशिक. 13ों के समूह की इस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता है। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगता है और कैंसर की यह स्थिति बहुत घातक हो जाती है। दुनियाभर में कैंसर से लड़ने और इसे हराने के लिए निरन्तर चिकित्सीय खोजें हो रही हैं और इन प्रयासों के चलते ही अब कैंसर का प्रारम्भिक स्टेज में तो सफल इलाज संभव भी है। अगर शरीर में कैंसर होने के कारणों की बात की जाए तो हालांकि इसके कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अक्सर जो प्रमुख कारण माने जाते रहे हैं, उनमें मोटापा, शारीरिक

सक्रियता का अभाव, व्यायाम न करना, ज्यादा मात्रा में अल्कोहल व नशीले पदार्थों का सेवन, पौष्टिक आहार की कमी इत्यादि इन कारणों में शामिल हो सकते हैं। कभी-कभार ऐसा भी होता है कि कैंसर के कोई भी लक्षण नजर नहीं आते किन्तु किसी अन्य बीमारी के इलाज के दौरान कोई जांच कराते वक्त अचानक पता चलता है कि मरीज को कैंसर है लेकिन फिर भी कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके जरिये अधिकांश व्यक्ति कैंसर की शुरूआती स्टेज में ही पहचान कर सकते हैं। कैंसर के लक्षणों में कुछ प्रमुख हैं, वजन घटते जाना, रकत की कमी होना, निरन्तर बुखार बने रहना, शारीरिक थकान व कमजोरी, चक्कर आना, उल्टी होना, दौरे पड़ना शुरू होना, आवाज में बदलाव आना, सांस लेने में दिक्कत होना, खांसी के दौरान खून आना, लंबे समय तक कफ रहना और कफ के साथ म्यूकस आना, कुछ भी निगलने में दिक्कत होना, पेशाब और शौच के समय खून आना, शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ या सूजन होना, माहवारी के दौरान अधिक साव होना इत्यादि। कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी, बायोलॉजिकल थेरेपी, स्टेम सेल ट्रांसप्लांट इत्यादि के जरिये कैंसर का इलाज होता है किन्तु यह प्रायः इतना महंगा होता है कि एक गरीब व्यक्ति इतना खर्च उठाने में सक्षम नहीं होता।



योगेश कुमार गोयल

जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगता है और कैंसर की यह स्थिति बहुत घातक हो जाती है। दुनियाभर में कैंसर से लड़ने और इसे हराने के लिए निरन्तर चिकित्सीय खोजें हो रही हैं और इन प्रयासों के चलते ही अब कैंसर का प्रारम्भिक स्टेज में तो सफल इलाज संभव भी है। अगर शरीर में कैंसर होने के कारणों की बात की जाए तो हालांकि इसके कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अक्सर जो प्रमुख कारण माने जाते रहे हैं, उनमें मोटापा, शारीरिक सक्रियता का अभाव, व्यायाम न करना, ज्यादा मात्रा में अल्कोहल व नशीले पदार्थों का सेवन, पौष्टिक आहार की कमी इत्यादि इन कारणों में शामिल हो सकते हैं। कभी-कभार ऐसा भी होता है कि कैंसर के कोई भी लक्षण नजर नहीं आते किन्तु किसी अन्य बीमारी के इलाज के दौरान कोई जांच कराते वक्त अचानक पता चलता है कि मरीज को कैंसर है लेकिन फिर भी कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके जरिये अधिकांश व्यक्ति कैंसर की शुरूआती स्टेज में ही पहचान कर सकते हैं।

इसलिए जरूरत इस बात की महसूस की जाती रही है कि कैंसर के सभी मरीजों का इलाज सरक. री अस्पतालों में हो या निजी अस्पतालों में, सरकार ऐसे मरीजों के इलाज में यथासंभव सहयोग करे क्योंकि जिस तेजी से देश में कैंसर मरीजों की संख्या बढ़ रही है, उसे देखते हुए केवल सरकारी अस्पतालों के भरौसे कैंसर मरीजों के इलाज की कल्पना बेमानी ही होगी।

(ये लेखक को निजी विचार हैं)

मधुमक्खियों को भी होता है दर्द

मधुमक्खियों को डंक से बचने के लिए हम कई बार उन्हें मारने-भगाने की कोशिश करते हैं लेकिन क्या ऐसा करने पर उनको दर्द महसूस होता है? जब हमारे शरीर पर कहीं चोट लगती है तो शरीर की तंत्रिका कोशिकाएं हमारे मस्तिष्क को संदेश भेजती हैं जिससे हमारा मस्तिष्क हमें दर्द का एहसास कराता है। कीटों में इस तरह का कोई जटिल तंत्र नहीं है जिससे उनको दर्द का एहसास हो सके लेकिन एक हालिया अध्ययन से मधुमक्खियों और अन्य कीटों में भावनाओं के प्रति चेतना के साक्ष्य मिले हैं। पूर्व में किए गए अध्ययन बताते हैं कि मधुमक्खियां और भौंरें काफी बुद्धिमान एवं चतुर प्राणी हैं।

वे शून्य की अवधारणा को समझते हैं, सरल हिसाब-किताब कर सकते हैं और अलग-अलग मनुष्यों (और शायद मधुमक्खियों) के बीच अंतर भी कर सकती हैं। ये प्राणी भोजन की तलाश के मामले में आम तौर पर काफी आशावादी होते हैं लेकिन किसी शिकारी मकड़ु के जाल में ज़रा भी फँसने पर ये परेशान हो जाते हैं। यहाँ तक कि बच निकलने के बाद भी कई दिनों तक उनका व्यवहार बदला-बदला रहता है और वे फूलों के पास जाने से डरते हैं। क्वींस मैरी यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक और इस अध्ययन के प्रमुख लार्स चिटका के अनुसार मधुमक्खियां भी भावनात्मक अवस्था का अनुभव करती हैं। मधुमक्खियों में दर्द संवेदना का पता लगाने के लिए चिटका ने जाना-माना तरीका अपनाया-लाभ-हानि के बीच संतुलन का तरीका। जैसे दांतों को लंबे समय तक स्वस्थ रखने के लिए लोंग दंत चिकित्सक



की ड्रिल के दर्द को सहन करने को तैयार हो जाते हैं। इसी तरह हर्मिट केकड़े बिजली के जोरदार झटकों से बचने के लिए अपनी पसंदीदा खोल को त्याग देते हैं लेकिन तभी जब झटका जोरदार हो।

इसी तरीके को आधार बनाकर चिटका और उनके सहयोगियों ने 41 भवनों (बॉम्बस टेरेंस्ट्रस) को 40 प्रतिशत चीनी के घोल वाले दो फीडर और कम चीनी वाले दो फीडर का विकल्प दिया। इसके बाद शोधकर्ताओं ने इन फीडरों को गुलाबी और पीले हीटिंग पैड पर रखा। शुरुआत में तो सभी हीटिंग पैड्स को सामान्य तापमान पर रखा गया और मधुमक्खियों को अपना पसंदीदा फीडर चुनने का मौका दिया

गया। अपेक्षा के अनुरूप सभी मधुमक्खियों ने अधिक चीनी वाले फीडर को चुना।

इसके बाद वैज्ञानिकों ने अधिक चीनी वाले फीडरों के नीचे वाले पीले पैड्स को 55 डिग्री सेल्सियस तक गर्म किया, जबकि गुलाबी पैड्स को सामान्य तापमान पर ही रखा। यानी पीले पैड्स पर उतरना किसी गर्म तबके को छूने जैसा था, लेकिन इसके बदले अधिक मीठा शरबत भी मिल रहा था। प्रोसीडिंग्स ऑफ दी नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस में प्रका. शित रिपोर्ट के अनुसार जब चीनी से भरपूर गर्म फीडर और कम चीनी वाले ठंडे फीडरों के बीच विकल्प दिया गया तो मधुमक्खियों ने गर्म और अधिक मात्रा में चीनी वाले फीडर को ही चुना। चीनी की मात्रा बढ़ा दिए जाने पर मधुमक्खियां और अधिक दर्द सहने को तैयार थीं। इससे लगता है कि अधिक चीनी उनके लिए एक बड़ा प्रलोभन था। फिर जब वैज्ञानिकों ने गर्म और ठंडे दोनों पैड्स वाले फीडरों में समान मात्रा में चीनी वाला शरबत रखा तो मधुमक्खियों ने पीले पैड्स पर जाने से परहेज किया, जिसके गर्म होने की आशंका थी। इससे स्पष्ट होता है कि वे पूर्व अनुभवों को याद रखती हैं और उनके आधार पर निर्णय भी करती हैं। अध्ययन दर्शाता है कि क्रस्टेशियंस के अलावा कीटों और मकड़ियों में भी इस तरह की संवेदना होती है। इस अध्ययन को मानव उपभोग के लिए कीटों की खेती में बढ़ती रूचि और शोध अध्ययनों में कीटों की खेरीयत के मामले में काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि मधुमक्खियां भी वैसा ही दर्द महसूस करती हैं जैसा मनुष्य करते हैं।

...स्रोत फीचर्स

बिहार: क्या यही है सुशासन के दावों की हकीकत

बिहार विधानसभा चुनाव अपने अंतिम पड़ाव की ओर अग्रसर है। दावों प्रतिदावों और आरोपों व प्रत्यारोपों का दौर अपने चरम पर है। सत्ता की तरफ से चुनाव जीतने के लिए सबसे अधिक जोर लगाया जा रहा है। हरियाणा सहित कई अन्य भाजपा शासित राज्यों से तो बिहारी मतदाताओं को विशेष ट्रेन्स द्वारा मतदान करने हेतु बिहार भेजा जा रहा है। उधर भाजपा स्टार प्रचारक नीतीश सरकार को शसुशासन व भ्रष्टाचार मुक्त सरकार के रूप में प्रचा. रित करते नहीं थक रहे परन्तु सुशासन व भ्रष्टाचार मुक्त बिहार के इन्हीं दावों के बीच कुछ ऐसे सनसनीखेज रहस्योंद्घाटन हो रहे हैं व घटनायें घटित हो रही हैं जिन्होंने बिहार में सुशासन व भ्रष्टाचार मुक्त सरकार की कलाई खोल कर रख दी है। हैरानी की बात तो यह है कि इस तरह के खोखले दावों की हवा निकालने में किसी सत्ता विरोधी दल या विपक्ष की कोई भूमिका नहीं है बल्कि स्वयं भाजपा-जे डी यू के नेता ही इस कलाई खोल अभियान के मुख्य सूत्रधार हैं।

सबसे पहले तो जिक्र करते हैं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजकुमार सिंह (आरके सिंह) के बयानों का। आर के सिंह बिहार के आरा से दो बार सांसद रह चुके हैं और मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल में वे ऊर्जा मंत्री थे। उनकी गिनती भाजपा के वरिष्ठ नेता के रूप में होती है। सर्वप्रथम तो आर के सिंह ने चुनाव अभियान के बीच ही गत 20 अक्टूबर को एक वीडियो संदेश जारी कर मतदाताओं से अपील की थी कि वे अपराधी और भ्रष्ट छवि वाले उम्मीदवारों को वोट हरगिज न दें। उन्होंने

विशेष रूप से जेडीयू के मोकामा से उम्मीदवार अनंत सिंह व भाजपा के तारापुर से उम्मीदवार व बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का नाम लिया था। उस संदेश में सिंह ने यहां तक कहा था कि ऐसे उम्मीदवारों को वोट देना चुल्लू भर पानी में डूब मरने से भी बदतर है, क्योंकि ये जनता का खून चूस रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले नेताओं को हटाकर ही बिहार का विकास संभव है और यदि सभी उम्मीदवार ऐसे हों तो मतदाता नोटा का विकल्प चुनें। सिंह ने आपराधिक पृष्ठभूमि वाले इसी तरह के कुल 8 उम्मीदवारों के नाम लिए। अब आरके सिंह के इस बयान को भाजपा के अंदर सुलग रही बगावत की चिंगारी के रूप में देखा जा रहा है।

आर के सिंह के उपरोक्त बयानों पर अभी चर्चा चल ही रही थी कि पिछले दिनों उन्होंने बिजली घोटाला सम्बन्धी एक और बड़ा धमाका कर दिया। उन्होंने बिहार की एनडीए सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। ये आरोप मुख्य रूप से बिहार में बिजली विभाग से जुड़े 62,000 करोड़ रुपये के घोटाले से संबंधित हैं, जो बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के ठीक पहले यानी गत 4 नवंबर को सामने लाये गये हैं। इन आरोपों के अनुसार बिहार सरकार ने एक थर्मल पावर प्लांट के निर्माण के लिए अदानी ग्रुप से सम्बंधित एक कंपनी को अत्यधिक ऊँची कीमत पर अनुबंध दिया। इस अनुबंध के तहत कंपनी को 25 वर्षों के लिए बिजली की कीमत 6.075 रुपये प्रति यूनिट निर्धारित की गई, जो बाजार दर से काफी अधिक है। इससे सरकार को पूंजी की वापसी के साथ-साथ अतिरिक्त



लाभ होगा, जो कुल 62,000 करोड़ रुपये का नुकसान बिहार के बिजली उपभोक्ताओं को पहुंचाएगा। उन्होंने बिहार सरकार के बिजली विभाग के कई अधिकारियों को इस घोटाले के लिये आरोपित करते हुये सीबीआई

से इसकी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की, ताकि दोषियों पर कार्रवाई हो सके। सिंह का आरोप है कि यह घोटाला सीधे तौर पर बिहार के लोगों को प्रभावित करेगा, क्योंकि बिजली के दाम बढ़ेंगे। इससे पहले भी आर के सिंह राज्य की सुशासन कही जाने वाली नीतीश सरकार पर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगा चुके हैं परन्तु चुनावों के बीच उनके द्वारा लगाए जा रहे उपरोक्त गंभीर आरोपों ने बिहार में कोहराम मचा दिया है। विपक्षी महागठबंधन इन आरोपों को अपने हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। दूसरी बड़ी घटना केंद्रीय मंत्री लल्लन सिंह से संबंधित है। गत 4 नवंबर को पटना जिला प्रशासन ने लल्लन सिंह के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की है। ललन सिंह ने मोकामा में जेडीयू प्रत्याशी अनंत सिंह जोकि इस समय दुलारचंद यादव हत्याकांड के मामले में बेजुर जेल में बंद हैं के समर्थन में किये जा रहे प्रचार के दौरान एक सभा में कहा कि प्फुछ नेताओं को वोटिंग के दिन घर में बंद कर दो। घर से उसी को निकलने दो जो हमारे पक्ष में वोट करे। अगर ज्यादा हाथ-पैर जोड़े तो हमारे साथ लड़े जाकर वोट गिाने देना है। गौरतलब है कि अनंत सिंह की गिरफ्तारी के बाद ललन सिंह ही उसके चुनाव प्रचार की कमान



संभाल रहे थे। विपक्ष ने ललन सिंह के इस बयान को लोकतंत्र पर हमला बताया और कहा कि यह गरीब वोटरों को डराने की साजिश है। अब इन घटनाओं व बयानों के सन्दर्भ में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दावों का जिक्र भी जरूरी है। एक ओर तो आर के सिंह व ललन सिंह जैसे भाजपा-जे डी यू के केंद्रीय स्तर के नेताओं के बयान बिहार में भ्रष्टाचार, कुशासन व जंगल राज की तस्वीर पेश कर रहे हैं तो दूसरी तरफ गृह मंत्री अमित शाह इन्हीं चुनाव प्रचार के दौरान जनसभाओं में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार को भ्रष्टाचार मुक्त सरकार का प्रमाणपत्र दे रहे हैं। शाह के अनुसार नीतीश कुमार पर चवनवी के भ्रष्टाचार का भी आरोप नहीं लगा है। उनके अनुसार केवल नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार, जिन पर चार आने का भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं है, वे ही बिहार का विकास कर सकते हैं। वे केंद्र में मोदी सरकार के 11 वर्षों और बिहार में नीतीश के 20 वर्षों के शासन को भ्रष्टाचार मुक्त बताते हैं जबकि विपक्ष पर घोटालों का आरोप लगाने के साथ ही लालू यादव के 20 वर्ष पूर्व के कथित जंगल राज की भी याद दिलाता नहीं भूलते। ऐसे में आर के सिंह के व लल्लन सिंह जैसे सत्ता से जुड़े केंद्रीय नेताओं के ही बयान क्या यह सवाल नहीं खड़ा करते कि क्या यही है बिहार में सुशासन के दावों की हकीकत?

(ये लेखक को निजी विचार हैं)

संक्षिप्त समाचार

इजरायल को हमाम से एक और मृत बंधक का शव मिला

यरूशलम। इजरायल के बुधवार को कहा कि उसने गाजा पट्टी में रेड क्रॉस के माध्यम से हमाम से एक और बंधक का शव मिला है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि अवशेषों से भरा एक ताबूत रेड क्रॉस टीमों द्वारा सौंप जाने के बाद एन्क्लेव से स्थानांतरित कर दिया गया है और इसे तेल अवोव स्थित राष्ट्रीय फोरेंसिक संस्थान में पहचान के लिए ले जाया जाएगा। हमाम की अल-कस्साम ब्रिगेड ने पुष्टि की है कि उसने गाजा शहर के शुजैया मोहल्ले में मिले 'एक इजरायली बंदी' का शव सौंप दिया है।

अमेरिकी टैरिफ के दबाव से समुद्री खाद्य उद्योग संकट में

कोच्चि। अमेरिका के हाल ही में लगे नए आयात शुल्कों के बाद भारत का समुद्री खाद्य (सीफूड) निर्यात क्षेत्र गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इस झटके ने उद्योग जगत और नीति-निर्माताओं को मूल्य संवर्धन, तकनीकी नवाचार और बाजार विविधीकरण की दिशा में प्रयास करने के लिए प्रेरित किया है ताकि देश की निर्यात आय को बचाया जा सके। ये मुद्दे कोच्चि स्थित सेंट्रल मरीन फिशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट में आयोजित चौथे 'इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन मरीन इकोसिस्टम्स' नाम से हुई संगोष्ठी में प्रमुख रूप से उभरे।

खराब मौसम के चलते फिलीपींस में इमरजेंसी का ऐलान

मनीला। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड रोमुआल्डेज मार्कोस ने तूफान काल्मैगी के असर और एक नए आने वाले तूफान की आशंका को देखते हुए गुरुवार को पूरे देश में राष्ट्रीय आपदा की स्थिति घोषित कर दी। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति मार्कोस ने कहा कि आपदा प्रबंधन परिषद के राष्ट्रीय आपदा लगाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इसमें कहा गया है कि कई क्षेत्रों को काल्मैगी तूफान ने प्रभावित किया है और अब नए आने वाले तूफान फंग-वोंग का संकट है।

जोहरान ममदानी ने रजनीगंधा इलायची खाई

न्यूयार्क। न्यूयार्क के नवनियुक्त मेयर जोहरान ममदानी का एक मजेदार वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इसमें वे सड़क किनारे लिए एक इंटरव्यू के दौरान जब से रजनीगंधा सिल्वर पल्स निकाल कर खाने लगते हैं। उनका यह देसी अंदाज भारतीय यूजर्स को खूब पसंद आ रहा है। यह वीडियो कंटेंट क्रिएटर निकोलस नून ने रिकलिन में शूट किया। वीडियो में ममदानी एक काले रंग की ट-शर्ट से उतरते हैं। नून उनसे पूछते हैं, क्या आपने कुछ खा लिया? इस पर ममदानी मुस्कुराते हुए जवाब देते हैं, 'परफ्यूम जो मुस्कुराते हुए जवाब देते हैं, हां,



बिहार। विधानसभा चुनाव के दौरान गोविंदगंज, पूर्वी चंपारण जिले में एक सार्वजनिक रैली में समर्थकों का अभिवादन करती कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड़ा।

POK में पाक सरकार के खिलाफ GenZ का प्रदर्शन

कातिलों जवाब दो का नारा लगाया, फीस बढ़ने और एग्जाम में सुधार को लेकर सड़कों पर उतरे

इस्लामाबाद। नेपाल, बांग्लादेश के बाद अब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जैन-जी पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। वे एजुकेशन सिस्टम में बदलाव, परीक्षा में ई-मार्किंग सिस्टम की खामियां और जरूरी सुविधाओं की कमी को वजह से प्रदर्शन कर रहे हैं। यह आंदोलन 4 नवम्बर को मुजफ्फराबाद में 'यूनिवर्सिटी ऑफ आजाद जम्मू एंड कश्मीर' से शुरू हुआ।



■ यह आंदोलन चार नवम्बर को मुजफ्फराबाद में 'यूनिवर्सिटी ऑफ आजाद जम्मू एंड कश्मीर' से शुरू हुआ ■ इसमें एक छात्र गोली लगने से घायल हुआ, जिसके बाद यह प्रदर्शन हिंसक हो गया

पाक में आर्मी चीफ को और ताकत मिलेगी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार संविधान में 27वां संशोधन लाने की तैयारी कर रही है। इससे सेना प्रमुख को ज्यादा ताकत मिल सकती है और प्रांतों को मिलने वाला पैसा कम हो सकता है। रिपोर्टों के मुताबिक, संशोधन के तहत पाकिस्तानी संविधान के आर्टिकल 243 में बदलाव किया जाएगा। यह आर्टिकल सेना प्रमुख की नियुक्ति और आर्म्ड फोर्स के कमांड से जुड़ा है। इसके तहत कमांडर-इन-चीफ नाम से नया संवैधानिक पद भी बनाया जा सकता है। इस बिल को लेकर पाकिस्तानी संसद के निचले सदन नेशनल असेंबली में 14 नवम्बर को वोटिंग होगी। इसे देखते हुए सरकार ने सभी मंत्रियों को विदेशी दौरे रद्द कर दिए हैं। पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर 2027 में रिटायर होने वाले हैं। माना जा रहा है कि ऐसे में सरकार ने उन्हें इस संशोधन के जरिए लाइफटाइम पावर में बने रहने की ताकत दे सकती है। इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने इसका विरोध किया है। इस बिल को लेकर चर्चा तब शुरू हुई जब पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के चेयरमैन बिलावल भुट्टो ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि सरकार ने उनसे इस संशोधन पर समर्थन मांगा है।

गुस्साए हुए थे। इस प्रदर्शन में इंटरमीडिएट (11वीं-12वीं) के छात्र भी शामिल हो गए, जो मैट्रिक और इंटरमीडिएट स्तर पर

लागू ई-मार्किंग (डिजिटल मूल्यांकन) सिस्टम से नाराज हैं। इससे पहले 30 अक्टूबर को ग्यारहवीं के रिजल्ट 6 महीने की

शटडाउन के चलते विमान क्षेत्र पर लगे नए प्रतिबंध

40 जगहों पर उड़ान क्षमता में 10 प्रतिशत कटौती, बैन का असर देश भर में लगभग 4000 उड़ानों पर पड़ेगा

वाशिंगटन। अमेरिका में जारी शटडाउन 36वें दिन में प्रवेश कर चुका है। देश के हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। जिसका सीधा असर विमानन क्षेत्र पर भी पड़ रहा है। इस बीच परिवहन सचिव सीन डफी ने नए उड़ान प्रतिबंधों की घोषणा की है।

जिसमें 40 स्थानों पर उड़ान क्षमता में 10 प्रतिशत की कमी शामिल है, जिसका असर देश भर में लगभग 4000 उड़ानों पर पड़ेगा। अमेरिकी हवाई क्षेत्र के संभावित बंद होने की चेतावनी के कुछ दिनों बाद परिवहन सचिव सीन डफी ने बुधवार को नए उड़ान प्रतिबंधों का ऐलान किया है। फाक्स बिजनेस की रिपोर्ट के अनुसार बढ़ती सुरक्षा चिंताओं और संघीय उड्डयन प्रशासन (एफएए) में कर्मचारियों की भारी कमी के बीच सरकारी शटडाउन रिकार्ड 36 दिनों से 36वें दिन में फाक्स बिजनेस के हवाले से डफी ने कहा



अमेरिका में जारी शटडाउन 36वें दिन में प्रवेश कर चुका है

कि हालांकि, इनमें से एक यह है कि हमारे 40 स्थानों पर क्षमता में 10 प्रतिशत की कमी होगी। प्रभावित हवाई अड्डों की पूरी सूची गुरुवार को जारी की जाएगी। दरअसल, 1 अक्टूबर से शुरू हुआ शटडाउन बुधवार (स्थानीय समय) को अनिवार्य 36वें दिन में प्रवेश कर गया, जिससे यह अमेरिकी

जोहरान ममदानी की जीत नए युग की शुरुआत

भारतीय मूल के लोग बेहद खुश और उत्साहित, बोले- दक्षिण एशियाई अमेरिकी लोग अमेरिका का राजनीतिक भविष्य

न्यूयार्क। भारतीय मूल के जोहरान ममदानी की न्यूयार्क मेयर चुनाव में जीत से भारतीय मूल के लोग बेहद खुश और उत्साहित हैं। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्यों ने न्यूयार्क शहर के नवनियुक्त मेयर जोहरान ममदानी की जीत का स्वागत किया और उनकी जीत को ऐतिहासिक बताया है कि यह इस बात का संकेत है कि अब अमेरिका में अप्रवासियों की कहानियां ही सोच को आकार दे रही हैं।

न्यूयार्क स्थित एजुकेशनल और कल्चरल आर्गनाइजेशन 'द कल्चर ट्री' की फाउंडर और सीईओ अनुसहगल का कहना है कि कल रात ऐसा लगा जैसे जोहरान ममदानी की ऐतिहासिक जीत के साथ, एक नए युग की शुरुआत हुई है। हम न्यूयार्क के पहले भारतीय मूल के मेयर का स्वागत कर रहे हैं। हम देख रहे हैं कि यह शहर पहचान, अपनेपन और



शक्ति को कैसे समझता है। एक बदलाव आ रहा है। उन्होंने कहा कि ममदानी द्वारा जीत के बाद दिए गए भाषण में अप्रवासियों के प्रति एक विश्वास झलकता है कि न्यूयार्क उन लोगों ने बनाया है जो यहां आते हैं, मेहनत करते हैं और आगे बढ़ते हैं। अनुसहगल ने कहा कि यह बात पक्की है कि दक्षिण एशियाई और अप्रवासियों की कहानियां अब सिर्फ नैरेटिव का हिस्सा नहीं हैं, वे इसे आकार दे रही हैं। दक्षिण एशियाई समुदाय के नेता और

नासा काउंटी के पूर्व डिप्टी कंट्रोलर दिलीप चौहान ने ममदानी को बधाई दी और कहा कि उन्हें एक साथी दक्षिण एशियाई अमेरिकी को सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पित देखकर खुशी हुई। चौहान ने कहा कि वह एक बेहतर भविष्य की उम्मीद जगाते हैं और हर अप्रवासी के लिए एक रोल मॉडल हैं। उन्हें हमारे समुदाय की सेवा करने और उन्हें आगे बढ़ाने में सफलता मिले, इसके लिए उन्हें शुभकामनाएं। भारतवर्षियों के एक साम. दायिक संगठन 'इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट फंड' ने मंगलवार को विभिन्न चुनाव नतीजों पर कहा कि इन चुनाव नतीजों ने यह साबित कर दिया है कि चाहे वह सिटी काउंसिल हो, मेयर हो, या राष्ट्रीय पद हो, दक्षिण एशियाई अमेरिकी इस देश के राजनीतिक भविष्य का हिस्सा हैं।

अफगान में अफीम की खेती में 20 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली। अफगानिस्तान में अफीम की खेती में इस वर्ष 20 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय की ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। संयुक्त राष्ट्र को इस संस्था की रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2025 में अफीम की खेती का क्षेत्रफल घटकर 10200 हेक्टेयर रह गया है। यह साल 2024 में 12800 हेक्टेयर था। साल 2022 में तालि. बान के लगाने देशव्यापी प्रतिबंध के बाद इसका रकबे में गिरावट लगातार जारी है। इस प्रतिबंध से पहले यानी 2022 में यह क्षेत्र 232000 हेक्टेयर तक फैला हुआ था। खेती के रकबे में आई गिरावट के चलते देश में अफीम उत्पादन में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। इस वर्ष उत्पादन लगभग एक-तिहाई घटकर 296 टन रह गया है और किसानों की अफीम बिक्री से होने वाली आमदनी लगभग आधी हो गई है।

बांग्लादेश में चुनाव प्रचार की शुरुआत में हिंसा

ढाका। बांग्लादेश में फरवरी 2026 में होने वाले आम चुनावों के लिए प्रचार अभियान की शुरुआत के साथ ही कई जगहों पर हिंसा भड़क उठी है।

इस दौरान चित्गांव में विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के उम्मीदवार एरशाद उल्लाह को गोली लगने से घायल हो गए हैं, जबकि कुमिल्ला जिले में उपद्रवियों ने एक अन्य उम्मीदवार के घर में आग लगा दी। वहीं अंतरिम सरकार ने इन घटनाओं की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि बीएनपी उम्मीदवार एरशाद उल्लाह इस हमले के मुख्य निशाने पर नहीं थे, बल्कि एक भटकी हुई गोली से घायल हो गए। सरकार ने बयान

कई जगहों पर हमले और आगजनी की वारदात हुई, बीएनपी उम्मीदवार को मारी गई गोली

जारी कर कहा कि हम इस आपराधिक घटना पर गहरी निंदा व्यक्त करते हैं और सभी उम्मीदवारों व नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। चित्गांव मेट्रोपालिटन पुलिस (सीएमपी) को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं ताकि अपरा. धियों को जल्द पकड़ा जा सके। मुख्य सलाहकार ने सुरक्षा एजेंसियों को आदेश दिया है कि दायि्यों को हर हाल में पकड़कर न्याय के दायरे में लाया जाए। उन्होंने कहा कि हिंसा और डराने-धमकाने की राजनीति बांग्लादेश की सामाजिक और राजनीतिक संस्कृति में किसी भी रूप में स्वीकार नहीं है।

जापान में भालुओं को पकड़ने के लिए सेना तैनात

टोक्यो। जापान ने कई इलाकों में भालुओं को पकड़ने के लिए सेल्फ-डिफेंस फोर्स (एसडीएफ) को तैनात किया है। भालू विभाग के अधिकारियों के मुताबिक यहां के पहाड़ी इलाकों में भालुओं का आतंक बढ़ता जा रहा है। अप्रैल से अब तक पूरे देश में 100 से अधिक भालू हमले हो चुके हैं, जिनमें 12 लोगों की मौत हुई है।

सबसे ज्यादा मौतें अकिता प्रांत और पड़ोसी शहर इवाते में हुईं। अकिता में भालू दिखने की घटनाएं इस साल छह गुना बढ़कर 8000 से अधिक हो गईं। स्थिति बेकाबू होने पर प्रांत के गवर्नर ने सेना की मदद मांगी। एसडीएफ के सैनिक काजुनो शहर पहुंचे, जहां वे भालू पकड़ने

सात महीने में 100 हमले, 12 की मौत लोगों को घरों में घंटियां रखने की सलाह

के लिए स्टील जाल लगाने में स्थानीय अधिका. रियों की मदद कर रहे हैं। वहीं, भालूओं को मारने का काम टैंड शिकारियों को सौंपा गया है। इनसे बचने के लिए अधिकारियों ने लोगों को घरों के बाहर घंटी रखने की सलाह दी है, ताकि तेज आवाज सुनकर भालू घर के पास न आए। काजुनो शहर में रह रहे 30 हजार निवासियों को जंगल से दूर रहने, रात में घर से बाहर न निकलने, घंटी रखने और तेज साउंड की मदद से भालूओं को भगाने की सलाह दी जा रही है।

भारत से दक्षिण अफ्रीका जा रहे जहाज पर हुआ कब्जा

सोमालिया। गुरुवार को सोमालिया के तट के पास मशीन गन और राकेट प्रोपेलंड गन से लैस हमलावरों ने एक जहाज पर हमला किया और उस पर कब्जा कर लिया। जिस जहाज पर हमला हुआ, वह भारत से दक्षिण अफ्रीका जा रहा था।

माना जा रहा है कि सोमालिया के समुद्री डाकुओं ने इस हमले को अंजाम दिया। ब्रिटिश सेना के यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड आपरेशंस सेंटर ने इस हमले को लेकर अलर्ट जारी किया और इलाके में मौजूद जहाजों को चेता. वनी दी। प्राइवेट सुरक्षा फर्म एम्ब्रे ने भी जहाज पर हमले की जानकारी दी। एम्ब्रे ने कहा कि यह हमला

सोमालिया के समुद्री डाकुओं पर हमले को अंजाम देने का शक

भारत के सिक्का से दक्षिण अफ्रीका को डरबन जा रहे माल्टा के झंडे वाले एक टैंकर पर किया गया। एम्ब्रे ने आगे कहा कि यह सोमाली समुद्री डाकुओं का हमला लग रहा है, जिनके बारे में हाल के दिनों में इस इलाके में सक्रिय होने की खबरें आई हैं। इससे पहले सोमालिया के समुद्री डाकुओं ने कथित तौर पर एक ईरानी मछली पकड़ने वाली नौका पर भी कब्जा कर लिया था। हालांकि ईरान की सरकार की तरफ से नाव पर कब्जे की बात स्वीकार नहीं की गई है।

डोनाल्ड ट्रंप ने ममदानी का मजाक उड़ाया

कहा: वे ट्रांसजेंडर अधिकारों के समर्थक, ममदानी का उमर खालिद की डायरी पढ़ने वाली वीडियो वायरल

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को भारतीय मूल के जोहरान ममदानी का मजाक उड़ाया। मियामी में एक बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, वो जो मंडानी या जो भी उसका नाम है।

न्यूयार्क वाला सोचता है कि मर्दों का महिलाओं के खेलों में खेलना बहुत अच्छा है। ट्रंप का यह बयान जोहरान ममदानी के ट्रांसजेंडर अधिकारों को लेकर रख पर तंज था। असल में ममदानी ट्रांसजेंडर लोगों के अधिकारों का समर्थन करते हैं। यानी अगर कोई व्यक्ति जन्म से पुरुष है लेकिन खुद को महिला मानता है (ट्रांसजेंडर वुमन) तो



ट्रंप का यह बयान जोहरान ममदानी के ट्रांसजेंडर अधिकारों को लेकर रख पर तंज था

उसे महिलाओं की खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति होनी चाहिए। ट्रंप ने ममदानी को फिर से कम्युनिस्ट कहा। उन्होंने कहा कि न्यूयार्क का रिजल्ट दिखाता है कि अब अमेरिकियों के सामने कम्युनिज्म और कामन सेंस के बीच चुनाव करना है। ट्रंप बोले कि अगर आप देखना चाहते हैं कि संसद में बैठे डेमोक्रेट्स अमेरिका के साथ क्या करना

चाहते हैं, तो बस न्यूयार्क के चुनाव नतीजे को देख लीजिए। जहां उनकी पार्टी ने देश के सबसे बड़े शहर में एक कम्युनिस्ट को मेयर बना दिया। न्यूयार्क के नए मेयर बने जोहरान ममदानी का उमर खालिद की डायरी पढ़ने वाली वीडियो वायरल हो रहा है। यह वीडियो 2023 में हुए 'हाउडी डेमोक्रेसी' इवेंट का है। ममदानी मंच से कहते हैं कि मैं उमर खालिद का

तालिबानियों की एक कप चाय महंगी पड़ी: पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के डिप्टी प्राइम मिनिस्टर और विदेश मंत्री इशाक डार ने तालिबान से दोस्ती को देश के लिए महंगा बताया। उन्होंने अफगानिस्तान से जुड़े आतंकवाद के लिए पूर्व पीएम इमरान खान को जिम्मेदार ठहराया। डार ने संसद में 2021 के एक घण्टा का जिक्र करते हुए कहा कि जब तत्कालीन आईएसआई चीफ लेफ्टिनेंट जनरल फौज हांमिद काबुल गए थे। वहां चाय पीते हुए उन्होंने कहा था कि सब ठीक हो जाएगा।

डार ने कहा कि अफगानिस्तान की उस एक कप चाय की आज तक देश को भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। डार ने इमरान खान पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी सरकार ने तालिबान के सत्ता में आने के बाद बार्डर खोल दीं। इससे आतंकी वापस लौट आए।

डिप्टी पीएम ने कहा:

आतंकियों से दोस्ती का खामियाजा भुगत रहे, इमरान इसके जिम्मेदार

पाकिस्तानी-तालिबान, फिल्ला अल-ख्वारिज और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी जैसे ग्रुप अफगानिस्तान से हमले कर रहे हैं। डार ने कहा जब हम वहां जाते हैं तो वे कहते हैं कि हम एक कप चाय के लिए आए हैं। अल्लाह सबकी मुश्किलें कम करे, लेकिन उस कप चाय की कीमत हमें सबसे ज्यादा चुकानी पड़ी है। डार ने कहा-उस चाय के प्याले ने पूरी सीमा फिर से खोल दी। 35-40 हजार तालिबानी जो यहां से भाग गए थे, फिर से वापस आ गए। इमरान सरकार ने तालिबानों को रिहा कर दिया जिन्होंने स्वात में पाकिस्तानी झंडे जलाए थे, लोगों को बेरहमी से मारा था।

यौन समस्याएं

यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें

डा. सम्राट

नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन केप्सूल अपफीम, चरस, डोपे पोस्ट हंजेस्वलेन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।

नावल्टी सिनेमा चौक

मुजफ्फरनगर (यू.पी.)

M-9412211108